चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नित्य शक्ति टाईम्स	21.06.2021	--	--

सीमित संसाधनों के साथ अधिक उत्पादन के लिए आधुनिक तकनीकों का सहारा जरूरी : प्रो. बी. आर. काम्बोज

हिसार, (नित्य शक्ति टाइम्स): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि सीमित संसाधनों के साथ फसलों से अधिक उत्पादन हासिल करना एक चुनौती बन गया है। इसके अलावा लगातार भूमिगत जल स्तर भी घट रहा है। इसके लिए किसानों को आधुनिक तकनीकों का सहारा लेना पड़ेगा। ये विचार उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्र कुरुक्षेत्र में खेती में जल संरक्षण विषय पर आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि लगातार कृषि योग्य भूमि कम होती जा रही है और निरंतर मौसम में परिवर्तन हो रहे हैं। इसके अलावा आधुनिक तकनीकों की जानकारी व मौसम संबंधी पूर्वानुमान भी किसानों तक सही तरीके से नहीं पहुंच पा रहे हैं। इसलिए फसलों से उचित पैदावार हासिल करने के लिए किसानों को काफी मेहनत करनी पड़ती है। उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिकों से कहा कि वे विश्वविद्यालय का आइना होते हैं और किसानों तक विश्वविद्यालय की आधुनिक तकनीकों व उन्नत किस्मों की जानकारी पहुंचाना उनका नैतिक फर्ज बनता है। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे ज्यादा से ज्यादा किसानों को कृषि विज्ञान केंद्रों व विश्वविद्यालय के साथ जोड़कर उन्हें नवीनतम जानकारियों से अवगत करवाएं। साथ ही समय-समय पर किसानों के लिए जागरूकता शिविर आयोजित कर उन्हें फसलों की समय पर बिजाई, कटाई व कढ़ाई की जानकारी दें। इस दौरान उन्होंने केंद्र में पौधारोपण भी किया। कुलपति ने कहा कि वैज्ञानिक समय-समय पर वैज्ञानिक सलाह भी किसानों के लिए जारी करते रहें ताकि किसान अपनी फसल की सही से देखभाल कर सकें। प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने किसानों से भी आह्वान किया कि वे बीमारियों की रोकथाम के लिए विश्वविद्यालय द्वारा सिफारिश किए गए कीटनाशकों का ही प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण समय की मांग है और इसके लिए किसान राज्य सरकार की योजना मेरा पानी मेरी विरासत का लाभ उठा रहे हैं। साथ ही उन्होंने किसानों से धान की सीधी बिजाई करने का भी आह्वान किया। उन्होंने किसानों को धान की सीधी बिजाई के बाद फसल में आने वाले खरपतवारों से निपटने के लिए समय-समय पर वैज्ञानिकों से सलाह लेकर खरपतवारनाशी के प्रयोग की सलाह दी। कृषि विज्ञान केंद्र के इंचार्ज डॉ. प्रद्युम्न भटनागर ने कुलपति का स्वागत करते हुए केंद्र में चल रहे अनुसंधान कार्यों की जानकारी दी। इस अवसर पर केंद्र के वैज्ञानिक, आसपास गांवों के किसानों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। इसके अलावा कुलपति ने कृषि महाविद्यालय कौल का भी दौरा किया और वहां के वैज्ञानिकों से रूबरू होते हुए कॉलेज की गतिविधियों का जायजा लिया। उन्होंने ऑनलाइन परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया और कॉलेज के सौंदर्यकरण व तकनीकी समस्या पर कार्य करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पी.एस. पंवार, डॉ. आर.एस. गढ़वाल, डॉ. मनिंदर सिंह भी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	22.06.2021	04	01-06

ऋषि-मुनियों का विश्व को दिया अनमोल उपहार है योग : प्रो. कांबोज

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर योग शिविर हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कहा कि योग को हमें अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए, ताकि हम स्वस्थ रह सकें।

छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र दहिया ने बताया कि शिविर में विश्वविद्यालय के अधिष्ठाताओं और निदेशकों को बुलाया गया, जबकि विश्वविद्यालय के शिक्षकों, गैर शिक्षक कर्मचारियों व विद्यार्थियों ने ऑनलाइन माध्यम से जुड़कर योगाभ्यास किया। योग प्रशिक्षक रोहताश ने विभिन्न योग क्रियाएं कराई। इस दौरान सह-छात्र कल्याण निदेशक(खेल) डॉ. सुशील, खेल प्रशिक्षक डॉ. बलजीत गिरधर व हकृवि योग क्लब के अध्यक्ष डॉ. संदीप आर्य भी मौजूद रहे।

एचएयू के कुलपति प्रोफेसर बीआर कांबोज योग करते हुए।

लुवास में ऑनलाइन हुआ योग शिविर : हिसार। लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) के छात्र कल्याण निदेशालय ने योग दिवस के अवसर ऑनलाइन योग शिविर का आयोजन किया। इसमें योग प्रशिक्षक मंदीप लोहान ने विभिन्न योग क्रियाएं करवाईं। इस दौरान कुलपति डॉ. गुरदियाल सिंह, जनसंपर्क अधिकारी डॉ. अशोक मलिक, छात्र कल्याण निदेशक डॉ. त्रिलोक नंदा, सह छात्र कल्याण निदेशक डॉ. सुरेंद्र ढाका भी मौजूद रहे। ब्यूरो

2

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	22.06.2021	02	02-04

एचएयू में बी विद योग, बी एट होम थीम पर मनाया

सिटी रिपोर्टर •एचएयू में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन बी विद योग, बी एट होग के साथ किया गया।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज बतौर मुख्यातिथि उपस्थित हुए। उन्होंने कहा कि योग को हमें अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए ताकि हमें स्वस्थ रह सकें। योग 5000 साल पुराना भारतीय दर्शन शास्त्र है। योग का वर्णन विभिन्न ग्रंथों जैसे वेद, उपनिषद, श्रीमद्भगवतगीता इत्यादि में मिलता है। योग प्रशिक्षक रोहताश ने इस दौरान विभिन्न योग क्रियाएं कराई। इस कार्यक्रम का आयोजन सह-छात्र कल्याण निदेशक(खेल) डॉ. सुशील लेगा, खेल प्रशिक्षक डॉ. बलजीत गिरधर व हकृवि योग क्लब के अध्यक्ष डॉ. संदीप आर्य के सहयोग से किया गया।

कोरोना काल में योग निभा रहा अहम भूमिका : वीसी

सिटी रिपोर्टर •गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के वीसी प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आज पूरा विश्व कोरोना के दौर से गुजर रहा है, इसमें योग अपनी एक अहम् भूमिका निभा रहा है। योग के माध्यम से रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाकर कोरोना से लड़ा जा सकता है। प्रो. टंकेश्वर कुमार अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य पर विश्वविद्यालय के फिजियोथेरेपी विभाग द्वारा 'वर्तमान कोरोना महामारी के परिदृश्य में योग का महत्व' विषय पर आयोजित वेबिनार को बतौर मुख्यातिथि सम्बोधित कर रहे थे। चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा की डीन रिसर्च एवं डीन ऑफ एजुकेशन प्रो. मोनिका वर्मा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहीं।

जीजेयू के कुलसचिव प्रो. अवनीश वर्मा बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभाग की अध्यक्षता डॉ. शबनम जोशी ने की। डॉ. मनोज मलिक ने कार्यक्रम का संयोजन किया। डॉ. नवीन कौशिक द्वारा योग दिवस प्रोटोकोल अभ्यास करवाया गया।

3

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	22.06.2021	03	05

एचएयू में बी विद योग, बी एट होम थीम के साथ किया योग

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन बी विद योग, बी एट होग के साथ किया गया। इस सीमित से कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज बतौर मुख्यातिथि उपस्थित हुए। उन्होंने कहा कि योग को हमें अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए । योग 5000 साल पुराना भारतीय दर्शन शास्त्र है। योग का वर्णन विभिन्न ग्रंथों जैसे वेद, श्रीमदभगवतगीता इत्यादि में मिलता है। तनाव, डिप्रेशन (अवसाद) मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय संबंधी इत्यादि बीमारियां धीरे-धीरे व्यक्ति को मार रही हैं, योग के द्वारा इन सभी समस्याओं का समाधान संभव है। योग उम्र, लिंग, जाति, पंथ, धर्म और राष्ट्र के बंधन और सीमाओं से परे है। इस दौरान छात्र कल्याण निदेशक डा. देवेंद्र सिंह दहिया, सह-छात्र कल्याण निदेशक(खेल) डा. सुशील लेगा, खेल प्रशिक्षक डा. बलजीत गिरधर व हकृवि योग क्लब के अध्यक्ष डा. संदीप आर्य के सहयोग से किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	22.06.2021	04	03

एचएयू में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन

हिसार (पंकेस): हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन बी विद योग, बी एट होम के साथ किया गया। इस सीमित से कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. का बोज बतौर मुख्यातिथि उपस्थित हुए। उन्होंने कहा कि योग को हमें अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	21.06.2021	--	--

5

योग ऋषि-मुनियों द्वारा विश्व को दिया गया अनमोल उपहार : प्रो. काम्बोज

एचएयू में बी विद योग, बी एट होम थीम के साथ मनाया योग दिवस

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन बी विद योग, बी एट होम के साथ किया गया। इस सीमित से कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज बतौर मुख्यातिथि उपस्थित हुए। उन्होंने कहा कि योग को हमें अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए ताकि हमें स्वस्थ रह सकें। योग 5000 साल पुराना भारतीय दर्शन शास्त्र है। योग का वर्णन विभिन्न ग्रंथों जैसे वेद, उपनिषद, श्रीमदभगवतगीता इत्यादि में मिलता है। योग अध्यात्मिक अनुशासन एवं अत्यंत सूक्ष्म विज्ञान पर आधारित ज्ञान है जो मन और शरीर के बीच में सामंजस्य स्थापित करता है। योग स्वस्थ जीवन की कला व विज्ञान है। योग भारत के ऋषि-मुनियों द्वारा विश्व को दिया गया एक अनमोल उपहार है। योग प्रातः काल में की जाने वाली क्रिया मात्र नहीं है बल्कि यह रोजमर्रा के कार्यों को कुशलतापूर्वक और पूरी सतर्कता के साथ करने की शक्ति भी है। योग हमारी सोच, कार्य, ज्ञान और समर्पण को बल देता है और हम बेहतर इंसान बनने में सहायक है। योग हमें अपने परिवार अपने समाज और समस्त संसार के साथ एक सूत्र में जुड़े होने की अनुभूति देता है। आज की भाग दौड़ भरी जिंदगी में व्यक्ति अनेक बीमारियों से ग्रस्त होता जा रहा है जैसे तनाव, डिप्रेशन, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय संबंधी इत्यादि बीमारियां धीरे-धीरे व्यक्ति को मार रही हैं, योग के द्वारा इन सभी समस्याओं का समाधान संभव है। योग उम्र, लिंग, जाति, पंथ, धर्म और राष्ट्र के बंधन और सीमाओं से परे है।

योगाभ्यास तनाव से मुक्ति पाने और मन को प्रसन्न व शांत रखने में अत्यंत मददगार है। रोग से निरोग होने का मार्ग योग है। योग अभ्यास का उद्देश्य सभी प्रकार के दुखों से निवृत्ति प्राप्त करना है, जिससे प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में पूर्ण स्वतंत्रता तथा स्वास्थ्य प्रसन्नता एवं सामंजस्य का अनुभव कर सके। योग मन को शांति प्रदान करता है जो न केवल शारीरिक स्वास्थ्य बल्कि मानसिक, आध्यात्मिक व सामाजिक स्वास्थ्य भी प्रदान करता है। वर्तमान समय की इस महामारी के दौरान योग का महत्व और अधिक बढ़ गया क्योंकि नियमित रूप से योगाभ्यास शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में काफी कारगर साबित हुआ है। विश्वभर में लोगों ने घर रहकर योग का सहारा लिया और स्वयं इस संकट की घड़ी से निजात पाने में सफल हुए। उन्होंने कहा कि मेहनत करके इंसान धन, दौलत व प्रसिद्धी तो हासिल कर सकता है लेकिन मन की शांति स्वस्थ शरीर योग से ही संभव है। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने बताया कि विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन के दौरान फिजिकली रूप से केवल विश्वविद्यालय के अधिष्ठाताओं और निदेशकों को ही आमंत्रित किया गया था। इसके अलावा विश्वविद्यालय के शिक्षकों, गैर शिक्षक कर्मचारियों व विद्यार्थियों ने घर रहकर आयुष विभाग की विभागीय वेबसाइट से ऑनलाइन माध्यम से जुड़कर योगाभ्यास किया। योग प्रशिक्षक रोहताश ने इस दौरान विभिन्न योग क्रियाएं कराई। कार्यक्रम का आयोजन सह-छात्र कल्याण निदेशक (खेल) डॉ. सुशील लेगा, खेल प्रशिक्षक डॉ. बलजीत गिरधर व हकृवि योग क्लब के अध्यक्ष डॉ. संदीप आर्य के सहयोग से किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	21.06.2021	--	--

योग मन और शरीर के बीच में सामंजस्य स्थापित करता है: डॉ. कम्बोज

हिसार/21 जून/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन बी विद योग, बी एट होम के साथ किया गया। इस सीमित से कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज बतौर मुख्यातिथि उपस्थित हुए। उन्होंने कहा कि योग को हमें अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए ताकि हमें स्वस्थ रह सकें। योग 5000 साल पुराना भारतीय दर्शन शास्त्र है। योग का वर्णन विभिन्न ग्रंथों जैसे वेद, उपनिषद, श्रीमद्भगवत गीता इत्यादि में मिलता है। योग अध्यात्मिक अनुशासन एवं अत्यंत सूक्ष्म विज्ञान पर आधारित ज्ञान है जो मन और शरीर के बीच में सामंजस्य स्थापित करता है। योग स्वस्थ जीवन की कला व विज्ञान है। योग भारत के ऋषि-मुनियों द्वारा विश्व को दिया गया एक अनमोल उपहार है। उन्होंने कहा कि योग प्रात: काल में की जाने वाली क्रिया मात्र नहीं है बल्कि यह रोजमर्रा के कार्यों को कुशलतापूर्वक और पूरी सतर्कता के साथ करने की शक्ति भी है। कुलपति ने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में व्यक्ति अनेक बीमारियों से ग्रस्त होता जा रहा है। तनाव, डिप्रेशन (अवसाद) मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय संबंधी इत्यादि बीमारियां धीरे-धीरे व्यक्ति को मार रही हैं, योग के द्वारा इन सभी समस्याओं का समाधान संभव है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय की इस महामारी के दौरान योग का महत्व और अधिक बढ़ गया है क्योंकि नियमित रूप से योगाभ्यास शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में काफी कारगर साबित हुआ है। विश्वभर में लोगों ने घर रहकर योग का सहारा लिया और स्वयं इस संकट की घड़ी से निजात पाने में सफल हुए। उन्होंने कहा कि मेहनत करके इंसान धन, दौलत व प्रसिद्धी तो हासिल कर सकता है लेकिन मन की शांति स्वस्थ शरीर यानि योग से ही संभव है। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने बताया कि विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन के दौरान फिजिकली रूप से केवल विश्वविद्यालय के अधिष्ठाताओं और निदेशकों को ही आमंत्रित किया गया था। इसके अलावा विश्वविद्यालय के शिक्षकों, गैर शिक्षक कर्मचारियों व विद्यार्थियों ने घर रहकर आयुष विभाग की विभागीय वैबसाइट से ऑनलाईन जुड़कर योगाभ्यास किया। योग प्रशिक्षक रोहताश ने इस दौरान विभिन्न योग क्रियाएं कराई। इस कार्यक्रम का आयोजन सह-छात्र कल्याण निदेशक (खेल) डॉ. सुशील लेगा, खेल प्रशिक्षक डॉ. बलजीत गिरधर व हकृवि योग क्लब के अध्यक्ष डॉ. संदीप आर्य के सहयोग से किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	21.06.2021	--	--

7

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में बी विदयोग, बी एट होम थीम के साथ मनाया योग दिवस

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन बी विद योग, बी एट होम के साथ किया गया। इस सीमित से कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज बतौर मुख्यातिथि उपस्थित हुए। उन्होंने कहा कि योग को हमें अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए ताकि हमें स्वस्थ रह सकें। योग 5000 साल पुराना भारतीय दर्शन शास्त्र है। योग का वर्णन विभिन्न ग्रंथों जैसे वेद, उपनिषद, श्रीमदभगवतगीता इत्यादि में मिलता है। योग भारत के ऋषि- मुनियों द्वारा विश्व को दिया गया एक अनमोल उपहार है। योग प्रात: काल में की जाने वाली क्रिया मात्र नहीं है बल्कि यह रोजमर्रा के कार्यों को कुशलतापूर्वक और पूरी सतर्कता के साथ करने की शक्ति भी है। योगाभ्यास तनाव से मुक्ति पाने और मन को प्रसन्न व शांत रखने में अत्यंत मददगार है। रोग से निरोग होने का मार्ग योग है।

छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने बताया कि विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन के दौरान फिजिकली रूप से केवल विश्वविद्यालय के अधिष्ठाताओं और निदेशकों को ही आमंत्रित किया गया था। इसके अलावा विश्वविद्यालय के शिक्षकों, गैर शिक्षक कर्मचारियों व विद्यार्थियों ने घर रहकर आयुष विभाग की विभागीय वेबसाइट https://ayushharyana.gov.in से ऑनलाइन माध्यम से जुड़कर योगाभ्यास किया। इस कार्यक्रम का आयोजन सह-छात्र कल्याण निदेशक(खेल) डॉ. सुशील लेगा, खेल प्रशिक्षक डॉ. बलजीत गिरधर व हकृवि योग क्लब के अध्यक्ष डॉ. संदीप आर्य के सहयोग से किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	21.06.2021	--	--

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर किया योगाभ्यास

योग दिवस पर हकृवि में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. काम्बोज ने कहा :ऋषि-मुनियों ने योग के रूप में विश्व को दिया गया अनमोल उपहार

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन बी विद योग, बी एट होग के साथ किया गया। इस सीमित से कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज बतौर मुख्यातिथि उपस्थित हुए। उन्होंने कहा कि योग को हमें अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए ताकि हमें स्वस्थ रह सकें। योग 5000 साल पुराना भारतीय दर्शन शास्त्र है। योग का वर्णन विभिन्न ग्रंथों जैसे वेद, उपनिषद, श्रीमदभगवतगीता इत्यादि में मिलता है। योग अध्यात्मिक अनुशासन एवं अत्यंत सूक्ष्म विज्ञान पर आधारित ज्ञान है जो मन और शरीर के बीच में सामंजस्य स्थापित करता है। योग स्वस्थ जीवन की कला व विज्ञान है। योग भारत के ऋषि- मुनियों द्वारा विश्व को दिया गया एक अनमोल उपहार है। योगाभ्यास तनाव से मुक्ति पाने और मन को प्रसन्न व शांत रखने में अत्यंत मददगार है। रोग से निरोग होने का मार्ग योग है। योग अभ्यास का उद्देश्य सभी प्रकार के दुखों से निवृत्ति प्राप्त करना है, जिससे प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में पूर्ण स्वतंत्रता तथा स्वास्थ्य प्रसन्नता एवं सामंजस्य का अनुभव कर सके। योग मन को शांति प्रदान करता है जो न केवल

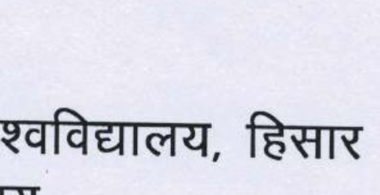

शारीरिक स्वास्थ्य बल्कि मानसिक, आध्यात्मिक व सामाजिक स्वास्थ्य भी प्रदान करता है। योग प्रशिक्षक रोहताश ने इस दौरान विभिन्न योग क्रियाएं कराई। इस कार्यक्रम का आयोजन सह-छात्र कल्याण निदेशक(खेल) डॉ. सुशील लेगा, खेल प्रशिक्षक डॉ. बलजीत गिरधर व हकृवि योग क्लब के अध्यक्ष डॉ. संदीप आर्य के सहयोग से किया गया।

9

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पल पल न्यूज	21.06.2021	--	--

एचएयू में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन

पल पल न्यूज: हिसार 21 जून। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन बी विद योग, बी एट होग के साथ किया गया। इस सीमित से कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज बतौर मुख्यातिथि उपस्थित हुए। उन्होंने कहा कि योग को हमें अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए ताकि हमें स्वस्थ रह सकें। योग 5000 साल पुराना भारतीय दर्शन शास्त्र है। योग का वर्णन विभिन्न ग्रंथों जैसे वेद, उपनिषद, श्रीमदभगवतगीता इत्यादि में मिलता है। योग अध्यात्मिक अनुशासन एवं अत्यंत सूक्ष्म विज्ञान पर आधारित ज्ञान है जो मन और शरीर के बीच में सामंजस्य स्थापित करता है। योग स्वस्थ जीवन की कला व विज्ञान है। योग भारत के ऋषि- मुनियों द्वारा विश्व को दिया गया एक अनमोल उपहार है। योग प्रातः काल में की जाने वाली क्रिया मात्र नहीं है बल्कि यह रोजमर्रा के कार्यों को कुशलतापूर्वक और पूरी सतर्कता के साथ करने की शक्ति भी है। योग हमारी सोच, कार्य, ज्ञान और समर्पण को बल देता है और हम बेहतर इंसान बनने में सहायक है। योग हमें अपने परिवार अपने समाज और समस्त संसार के साथ एक सूत्र में जुड़े होने की अनुभूति देता है। आज की भाग दौड़ भरी जिंदगी में व्यक्ति अनेक बीमारियों से ग्रस्त होता जा रहा है जैसे तनाव, डिप्रेशन (अवसाद) मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय संबंधी इत्यादि बीमारियां धीरे-धीरे व्यक्ति को मार रही हैं, योग के द्वारा इन सभी समस्याओं का समाधान संभव है। योग उम्र, लिंग, जाति, पंथ, धर्म और राष्ट्र के बंधन और सीमाओं से परे है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	22.06.2021	--	--

योग ऋषि-मुनियों द्वारा विश्व को दिया गया अनमोल उपहार : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

एचएयू में बी विद योग, बी एट होम थीम के साथ मनाया योग दिवस

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन बी विद योग, बी एट होम के साथ किया गया। इस सीमित से कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज बतौर मुख्यातिथि उपस्थित हुए। उन्होंने कहा कि योग को हमें अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए ताकि हमें स्वस्थ रह सकें। योग 5000 साल पुराना भारतीय दर्शन शास्त्र है। योग का वर्णन विभिन्न ग्रंथों जैसे वेद, उपनिषद, श्रीमदभगवतगीता इत्यादि में मिलता है। योग अध्यात्मिक अनुशासन एवं अत्यंत सूक्ष्म विज्ञान पर आधारित ज्ञान है जो मन और शरीर के बीच में सामंजस्य स्थापित करता है। योग स्वस्थ जीवन की कला व विज्ञान है। योग भारत के ऋषि- मुनियों द्वारा विश्व को दिया गया एक अनमोल उपहार है। योग प्रात: काल में की जाने वाली क्रिया मात्र नहीं है बल्कि यह रोजमर्रा के कार्यों को कुशलतापूर्वक और पूरी सतर्कता के साथ करने की शक्ति भी है। योग हमारी सोच, कार्य, ज्ञान और समर्पण को बल देता है और हम बेहतर इंसान बनने में सहायक है। योग हमें अपने परिवार अपने समाज और समस्त संसार के साथ एक सूत्र में जुड़े होने की अनुभूति देता है। आज की भाग दौड़ भरी जिंदगी में व्यक्ति अनेक बीमारियों से ग्रस्त होता जा रहा है जैसे तनाव, डिप्रेशन (अवसाद) मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय संबंधी इत्यादि बीमारियां धीरे-धीरे व्यक्ति को मार रही हैं, योग के द्वारा इन सभी समस्याओं का समाधान संभव है। योग उम्र, लिंग, जाति, पंथ, धर्म और राष्ट्र के बंधन और सीमाओं से परे है। रोग से निरोग होने का मार्ग योग योगाभ्यास तनाव से मुक्ति पाने और मन को प्रसन्न व शांत रखने में अत्यंत मददगार है। रोग से निरोग होने का मार्ग योग है। योग अभ्यास का उद्देश्य सभी प्रकार के दुखों से निवृत्ति प्राप्त करना है, जिससे प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में पूर्ण स्वतंत्रता तथा स्वास्थ्य प्रसन्नता एवं सामंजस्य का अनुभव कर सके। योग मन को शांति प्रदान करता है जो न केवल शारीरिक स्वास्थ्य बल्कि मानसिक, आध्यात्मिक व सामाजिक स्वास्थ्य भी प्रदान करता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	23.06.2021	--	--

कपास की फसल में कीट व रोगों का एकीकृत प्रबंधन ज़रूरी : प्रो. काम्बोज

हिसार, 22 जून (राजकुमार): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पौध प्रजनन एवं आनुवांशिकी विभाग के कपास अनुभाग द्वारा एक ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार का मुख्य विषय वर्तमान में 'कपास उत्पादन में एकीकृत प्रबंधन' था। वेबिनार के शुभारंभ अवसर पर ऑनलाइन किसानों व कृषि वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि कपास की फसल में बेहतर उत्पादन के लिए कीट व रोगों का एकीकृत प्रबंधन जरूरी है। उन्होंने कहा कि किसान फसल के मुख्य कीट व रोगों की पहचान करने के बाद विश्वविद्यालय द्वारा सिफारिश की गई दवाइयों का ही प्रयोग करें। इसके अलावा फसल में कृषि वैज्ञानिकों की सलाह के बिना कीटनाशकों का छिड़काव नुकसानदायक हो सकता है। इस प्रकार का अभियान कपास की बिजाई से पहले ही फायदा हुआ है। वेबिनार के संयोजक व आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार छाबड़ा ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया।

कृषि वैज्ञानिकों की सलाह व सिफारिशों का रखें विशेष ध्यान

वेबीनार के दौरान संबोधित करते हुए मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज व अन्य।

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के महानिदेशक डॉ. हरदीप सिंह ने किसानों के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कपास हरियाणा प्रदेश की एक महत्वपूर्ण खरीफ फसल है। इसलिए किसानों को इस फसल में कृषि वैज्ञानिकों द्वारा समय-समय पर दी जाने वाली सलाह व कीटनाशकों को लेकर की गई सिफारिशों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने मित्र कीटों की सुरक्षा को लेकर भी सुझाव दिए।

चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विवि में वेबीनार आयोजित

अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने वेबिनार की रूपरेखा के बारे में जानकारी दी और कपास के बोए जाने वाले क्षेत्र के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। उन्होंने कपास की फसल में गत वर्ष आने वाली बीमारियों व अन्य समस्याओं को लेकर चर्चा की। कपास अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. ओमेन्द्र सांगवान ने मंच का ऑनलाइन संचालन किया। सस्य वैज्ञानिक डॉ. करमल मलिक ने एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन पर अपना व्याख्यान दिया तथा विश्वविद्यालय द्वारा सिफारिश की गई खादों एवं उर्वरकों की मात्रा के अनुसार फसल में डालने के बारे में चर्चा की। कीट वैज्ञानिक डॉ. अनिल कुमार ने कपास में आने वाले कीटों के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि कपास कि फसल में रस चूसने वाले कीड़ों में सफेद मक्खी, थ्रिप्स व हरा तेला मुख्य है जो फसल को नुकसान पहुंचाते हैं। उन्होंने बताया कि इनमें सफेद मक्खी सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाती है। पौध रोग विशेषज्ञ डॉ. मनमोहन ने कपास फसल की बीमारियों के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि कपास में मुख्य रोग जड़ गलन, पैराविल्ट, पत्ता मरोड़ रोग एवं टिंडा गलन रोग है। रेतीली भूमि में पैराविल्ट का प्रकोप ज्यादा होता है। वेबिनार के दौरान किसानों व कृषि अधिकारियों ने विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिकों से कपास की फसल में आने वाली विभिन्न समस्याओं को लेकर सवाल भी किए, जिनका कृषि वैज्ञानिकों द्वारा बेहतर तरीके से जवाब दिया गया। कार्यक्रम में कपास अनुभाग के वैज्ञानिक, विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान एवं अनुसंधान केंद्रों के वैज्ञानिक, कृषि विभाग के अधिकारी व प्रदेशभर के किसान ऑनलाइन माध्यम से जुड़े हुए थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	23.06.2021	--	--

कपास की फसल में कीट व रोगों का एकीकृत प्रबंधन जरूरी : बी.आर. काम्बोज

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में ऑनलाइन वेबिनार आयोजित, कृषि वैज्ञानिकों ने कपास के मुख्य रोगों के लक्षण व समाधान बताए

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पौध प्रजनन एवं आनुवांशिकी विभाग के कपास अनुभाग द्वारा एक ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार का मुख्य विषय वर्तमान में 'कपास उत्पादन में एकीकृत प्रबंधन' था। वेबिनार के शुभारंभ अवसर पर ऑनलाइन किसानों व कृषि वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि कपास की फसल में बेहतर उत्पादन के लिए कीट व रोगों का एकीकृत प्रबंधन जरूरी है। उन्होंने कहा कि किसान फसल के मुख्य कीट व रोगों की पहचान करने के बाद विश्वविद्यालय द्वारा सिफारिश की गई दवाइयों का ही प्रयोग करें। इसके अलावा फसल में कृषि वैज्ञानिकों की सलाह के बिना कीटनाशकों का छिड़काव नुकसानदायक हो सकता है। उन्होंने कहा कि गत वर्ष कपास की फसल के नष्ट होने में किसानों द्वारा बिना कृषि वैज्ञानिकों की सिफारिश के फसल पर कीटनाशकों के मिश्रणों का प्रयोग करना एक कारण सामने आया था, जिससे कपास की फसल में नमी एवं पोषण के चलते समस्या बढ़ी थी। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान करते हुए कहा कि किसान की समस्याओं का समाधान करना हमारा प्रमुख लक्ष्य होना चाहिए। साथ ही सीमित संसाधनों के माध्यम से किसानों की आय को बढ़ाने की दिशा में प्रयास किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कपास फसल की बीमारियों व अन्य समस्याओं के प्रति किसानों को जागरूक करने के लिए एचएयू के वैज्ञानिकों ने किसानों के साथ मिलकर गांवों में प्रदर्शनी प्लांट लगाए हुए हैं। उनका समय-समय पर कृषि विभाग की टीम वैज्ञानिकों के साथ जाकर जांच करने के उपरांत किसानों को सुझाव जारी करते हैं ताकि किसानों को आने वाले दिनों में किसी प्रकार की समस्या न उठानी पड़े। इस प्रकार का अभियान कपास की बिजाई से पहले ही चलाया हुआ है। वेबिनार के संयोजक व आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार छाबड़ा ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	22.06.2021	--	--

कपास की फसल में कीट व रोगों का एकीकृत प्रबंधन जरूरीः प्रो. काम्बोज

हकृवि में ऑनलाइन वेबिनार आयोजित, कृषि वैज्ञानिकों ने कपास के मुख्य रोगों के लक्षण व समाधान बताए

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पौध प्रजनन एवं आनुवांशिकी विभाग के कपास अनुभाग द्वारा एक ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार का मुख्य विषय कार्यक्रम में 'कपास उत्पादन में एकीकृत प्रबंधन' था। वेबिनार के मुख्य अवसर पर ऑनलाइन किसानों व कृषि वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि कपास की फसल में बेहतर उत्पादन के लिए कीट व रोगों का एकीकृत प्रबंधन जरूरी है। उन्होंने कहा कि किसान फसल के मुख्य कीट व रोगों की पहचान करने के बाद विश्वविद्यालय द्वारा सिफारिश की गई दवाइयों का ही प्रयोग करें। इसके अलावा फसल में कृषि वैज्ञानिकों की सलाह के बिना कीटनाशकों का छिड़काव नुकसानदायक हो सकता है। उन्होंने कहा कि पीछे वर्ष कपास की फसल के नष्ट होने से किसानों द्वारा बिना कृषि वैज्ञानिकों की सिफारिश के फसल पर कीटनाशकों के छिड़काव का प्रयोग कारण एवं कारण सामने आया था, जिससे कपास की फसल में कमी एवं पोषण के चलते समस्या बढ़ी थी। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान करते हुए कहा कि किसान की समस्याओं का समाधान करना हमारा प्रमुख लक्ष्य होना चाहिए। साथ ही सीमित संसाधनों के साथ में किसानों की आय को बढ़ाने की दिशा में प्रयास किया जाना चाहिए। वेबिनार के संयोजक व आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार छाबड़ा ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया।

हिसार। वेबिनार के दौरान संबोधित करते कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज व मौजूद अन्य।

कृषि वैज्ञानिकों की सलाह व सिफारिशों का रखें विशेष ध्यान

[illegible]

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पल पल न्यूज	22.06.2021	--	--

कपास की फसल में कीट व रोगों का एकीकृत प्रबंधन जरूरी : काम्बोज

पल पल न्यूज़, हिसार, 22 जून।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पौध प्रजनन एवं आनुवांशिकी विभाग के कपास अनुभाग द्वारा एक ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार का मुख्य विषय वर्तमान में 'कपास उत्पादन में एकीकृत प्रबंधन' था। वेबिनार के शुभारंभ अवसर पर ऑनलाइन किसानों व कृषि वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि कपास की फसल में बेहतर उत्पादन के लिए कीट व रोगों का एकीकृत प्रबंधन जरूरी है।

उन्होंने कहा कि किसान फसल के मुख्य कीट व रोगों की पहचान करने के बाद विश्वविद्यालय द्वारा सिफारिश की गई दवाइयों का ही प्रयोग करें। इसके अलावा फसल में कृषि वैज्ञानिकों की सलाह के बिना कीटनाशकों का छिड़काव नुकसानदायक हो सकता है। उन्होंने कहा कि गत वर्ष कपास की फसल के नष्ट होने में किसानों द्वारा बिना कृषि वैज्ञानिकों की सिफारिश के फसल पर कीटनाशकों के मिश्रणों का प्रयोग करना एक कारण सामने आया था, जिससे कपास की फसल में नमी एवं पोषण के उलटी समस्या खड़ी थी। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान करते हुए कहा कि किसान की समस्याओं का समाधान करना हमारा प्रमुख लक्ष्य होना चाहिए। साथ ही सीमित संसाधनों के माध्यम से किसानों की आय को बढ़ाने की दिशा में प्रयास किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कपास फसल की बीमारियों व अन्य समस्याओं के प्रति किसानों को जागरूक करने के लिए एचएयू के वैज्ञानिकों ने किसानों के साथ मिलकर गांवों में प्रदर्शनी प्लाट लगाए हुए हैं। उनका समय-समय पर कृषि विभाग की टीम वैज्ञानिकों के साथ जाकर जांच करने के उपरांत किसानों को सुझाव जारी करती है ताकि किसानों को आने वाले दिनों में किसी प्रकार की समस्या न उठानी पड़े। इस प्रकार का अभियान कपास की बिजाई से पहले ही चलाया हुआ है। वेबिनार के संयोजक व आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार छाबड़ा ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	22.06.2021	--	--

किसान की समस्याओं का समाधान करना प्रमुख लक्ष्य होना चाहिए : प्रो. काम्बोज

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में ऑनलाइन वेबिनार आयोजित, कृषि वैज्ञानिकों ने कपास के मुख्य रोगों के लक्षण व समाधान बताए

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पौध प्रजनन एवं आनुवांशिकी विभाग के कपास अनुभाग द्वारा एक ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार का मुख्य विषय वर्तमान में 'कपास उत्पादन में एकीकृत प्रबंधन' था। वेबिनार के शुभारंभ अवसर पर ऑनलाइन किसानों व कृषि वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि कपास की फसल में बेहतर उत्पादन के लिए कीट व रोगों का एकीकृत प्रबंधन जरूरी है। उन्होंने कहा कि किसान फसल के मुख्य कीट व रोगों की पहचान करने के बाद विश्वविद्यालय द्वारा सिफारिश की गई दवाइयों का ही प्रयोग करें। इसके अलावा फसल में कृषि वैज्ञानिकों की सलाह के बिना कीटनाशकों का छिड़काव नुकसानदायक हो सकता है।

उन्होंने कहा कि गत वर्ष कपास की फसल के नष्ट होने में किसानों द्वारा बिना कृषि वैज्ञानिकों की सिफारिश के फसल पर कीटनाशकों के मिश्रणों का प्रयोग करना एक कारण सामने आया था, जिससे कपास की फसल में नमी एवं पोषण के चलते समस्या बढ़ी थी। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान करते हुए कहा कि किसान की समस्याओं का समाधान करना हमारा प्रमुख लक्ष्य होना चाहिए। साथ ही सीमित संसाधनों के माध्यम से किसानों की आय को बढ़ाने की दिशा में प्रयास किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कपास फसल की बीमारियों व अन्य समस्याओं के प्रति किसानों को जागरूक करने के लिए एचएयू के वैज्ञानिकों ने किसानों के साथ मिलकर गांवों में प्रदर्शनी प्लांट लगाए हुए हैं। वेबिनार के संयोजक व आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार छाबड़ा ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के महानिदेशक डॉ. हरदीप सिंह ने किसानों के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने वेबिनार की रूपरेखा के बारे में जानकारी दी और कपास के बोए जाने वाले क्षेत्र के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। कपास अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. ओमेन्द्र सांगवान ने मंच का ऑनलाइन संचालन किया।

सस्य वैज्ञानिक डॉ. करमल मलिक ने एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन पर अपना व्याख्यान दिया। कीट वैज्ञानिक डॉ. अनिल कुमार ने कपास में आने वाले कीटों के बारे में विस्तार से बताया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	22.06.2021	--	--

कृषि वैज्ञानिकों की सलाह के बिना कीटनाशकों का छिड़काव नुकसानदायक हो सकता है : कुलपति

हिसार/22 जून/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पौध प्रजनन एवं आनुवांशिकी विभाग के कपास अनुभाग द्वारा एक वैबीनार का आयोजन किया गया जिसका मुख्य विषय वर्तमान में 'कपास उत्पादन में एकीकृत प्रबंधन' था। इसके शुभारंभ अवसर पर ऑनलाईन किसानों व कृषि वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने कहा कि कपास की फसल में बेहतर उत्पादन के लिए कीट व रोगों का एकीकृत प्रबंधन जरूरी है। उन्होंने कहा कि किसान फसल के मुख्य कीट व रोगों की पहचान करने के बाद विश्वविद्यालय द्वारा सिफारिश की गई दवाइयों का ही प्रयोग करें। इसके अलावा फसल में कृषि वैज्ञानिकों की सलाह के बिना कीटनाशकों का छिड़काव नुकसानदायक हो सकता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
एचआर ब्रेकिंग न्यूज	23.06.2021	--	--

कपास की फसल में कीट व रोगों का एकीकृत प्रबंधन जरुरी : बी.आर. काम्बोज

एचएयू में ऑनलाइन वेबिनार आयोजित, कृषि वैज्ञानिकों ने कपास के मुख्य रोगों के लक्षण व समाधान बताए

एचआर ब्रेकिंग न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पौध प्रजनन एवं आनुवांशिकी विभाग के कपास अनुभाग द्वारा एक ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार का मुख्य विषय वर्तमान में 'कपास उत्पादन में एकीकृत प्रबंधन' था।

वेबिनार के शुभारंभ अवसर पर ऑनलाइन किसानों व कृषि वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि कपास की फसल में बेहतर उत्पादन के लिए कीट व रोगों का एकीकृत प्रबंधन जरूरी है। उन्होंने कहा कि किसान फसल के मुख्य कीट व रोगों की पहचान करने के बाद विश्वविद्यालय द्वारा सिफारिश की गई दवाइयों का ही प्रयोग करें। इसके अलावा फसल में कृषि वैज्ञानिकों की सलाह के बिना कीटनाशकों का छिड़काव नुकसानदायक हो सकता है। उन्होंने कहा कि गत वर्ष कपास की फसल के नष्ट होने में किसानों द्वारा बिना कृषि वैज्ञानिकों की सिफारिश के फसल पर कीटनाशकों के मिश्रणों का प्रयोग करना एक कारण सामने आया था, जिससे कपास की फसल में नमी एवं पोषण के चलते समस्या बढ़ी थी। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान करते हुए कहा कि किसान की समस्याओं का समाधान करना हमारा प्रमुख लक्ष्य होना चाहिए। साथ ही सीमित संसाधनों के माध्यम से किसानों की आय को बढ़ाने की दिशा में प्रयास किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कपास फसल की बीमारियों व अन्य समस्याओं के प्रति किसानों को जागरूक करने के लिए एचएयू के वैज्ञानिकों ने किसानों के साथ मिलकर गांवों में प्रदर्शनी प्लांट लगाए हुए हैं। उनका समय-समय पर कृषि विभाग की टीम वैज्ञानिकों के साथ जाकर जांच करते हैं उसके अनुसार किसानों को सुझाव जारी करते हैं ताकि किसानों को आने वाले दिनों में किसी प्रकार की समस्या न उठानी पड़े। इस प्रकार का अभियान कपास की बिजाई से पहले ही चलाया हुआ है। वेबिनार के संयोजक व आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार छाबड़ा ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया।

वेबिनार के दौरान संबोधित करते मुख्यातिथि प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज व मौजूद अन्य।

कृषि वैज्ञानिकों की सलाह व सिफारिशों का रखें विशेष ध्यान : कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के महानिदेशक डॉ. हरदीप सिंह ने किसानों के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कपास हरियाणा प्रदेश की एक महत्वपूर्ण नकदी फसल है। इसलिए किसानों को इस फसल में कृषि वैज्ञानिकों द्वारा समय-समय पर दी जाने वाली सलाह व कीटनाशकों को लेकर की गई सिफारिशों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने मित्र कीटों की सुरक्षा को लेकर भी सुझाव दिए। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने वेबिनार की रूपरेखा के बारे में जानकारी दी और कपास के बोए जाने वाले क्षेत्र के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। उन्होंने कपास की फसल में इस वर्ष आने वाली बीमारियों व अन्य समस्याओं को लेकर चर्चा की। कपास अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. ओमेन्द्र सांगवान ने मंच का ऑनलाइन संचालन किया। सस्य वैज्ञानिक डॉ. करमल मलिक ने एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन पर अपना व्याख्यान दिया तथा विश्वविद्यालय द्वारा सिफारिश की गई खादों एवं उर्वरकों की मात्रा के अनुसार फसल में डालने के बारे में चर्चा की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	23.06.2021	02	06-08

कृषि वैज्ञानिकों ने कपास के मुख्य रोगों के लक्षण व समाधान बताए

कपास की फसल में कीट और रोगों का एकीकृत प्रबंधन जरूरी : वीसी

भास्कर न्यूज़| हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पौध प्रजनन एवं आनुवांशिकी विभाग के कपास अनुभाग ने ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया। इसका मुख्य विषय वर्तमान में 'कपास उत्पादन में एकीकृत प्रबंधन' था। वेबिनार के शुभारंभ पर ऑनलाइन किसानों व कृषि वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए एचएयू के वीसी प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि कपास की फसल में बेहतर उत्पादन के लिए कीट व रोगों का एकीकृत प्रबंधन जरूरी है। कहा कि किसान फसल के मुख्य कीट

वेबिनार के दौरान संबोधित करते एचएयू के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व मौजूद अन्य।

व रोगों की पहचान करने के बाद एचएयू द्वारा सिफारिश की गई दवाइयों का ही प्रयोग करें।

वेबिनार के संयोजक व आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार छाबड़ा ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया।

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के महानिदेशक डॉ. हरदीप सिंह ने किसानों के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी। कपास अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. ओमेन्द्र सांगवान ने मंच का ऑनलाइन संचालन किया।

सस्य वैज्ञानिक डॉ. करमल मलिक ने एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन पर अपना व्याख्यान दिया तथा विश्वविद्यालय द्वारा सिफारिश की गई खादों एवं उर्वरकों की मात्रा के अनुसार फसल में डालने के बारे में चर्चा की। इस अवसर पर कीट वैज्ञानिक डॉ. अनिल कुमार, पौध रोग विशेषज्ञ डॉ. मनमोहन ने भी वेबिनार को संबोधित किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	23.06.2021	02	03-05

'कपास की फसल में कीट व रोगों का एकीकृत प्रबंधन जरूरी: काम्बोज'

वैबिनार के दौरान संबोधित करते मुख्यातिथि प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज व मौजूद अन्य।

हिसार, 22 जून (पंकेस): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पौध प्रजनन एवं आनुवांशिकी विभाग के कपास अनुभाग द्वारा एक ऑनलाइन वैबिनार का आयोजन किया गया। वैबिनार का मुख्य विषय वर्तमान में कपास उत्पादन में एकीकृत प्रबंधन था।

वैबिनार के शुभारंभ अवसर पर ऑनलाइन किसानों व कृषि वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि कपास की फसल में बेहतर उत्पादन के लिए कीट व रोगों का एकीकृत प्रबंधन जरूरी है।

उन्होंने कहा कि किसान फसल के मुख्य कीट व रोगों की पहचान करने के बाद विश्वविद्यालय द्वारा सिफारिश की गई दवाइयों का ही प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि गत वर्ष कपास की फसल के नष्ट होने में किसानों द्वारा बिना कृषि वैज्ञानिकों की सिफारिश के फसल पर कीटनाशकों के मिश्रणों का प्रयोग करना एक कारण सामने आया था, जिससे कपास की फसल में नमी एवं पोषण के चलते समस्या बढ़ी थी। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के महानिदेशक डॉ. हरदीप सिंह ने किसानों के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

सस्य वैज्ञानिक डॉ. करमल मलिक ने एकीकृत पोषक तत्व प्रबधंन पर अपना व्याख्यान दिया तथा विश्वविद्यालय द्वारा सिफारिश की गई खादों एवं उर्वरकों की मात्रा के अनुसार फसल में डालने के बारे में चर्चा की। कीट वैज्ञानिक डॉ. अनिल कुमार ने कपास में आने वाले कीटों के बारे में विस्तार से बताया। वेबिनार के दौरान किसानों व कृषि अधिकारियों ने विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिकों से कपास की फसल में आने वाली विभिन्न समस्याओं को लेकर सवाल भी किए, जिनका कृषि वैज्ञानिकों द्वारा जवाब दिया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	23.06.2021	02	02-04

आयोजन चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में वेबिनार का आयोजन

कपास की फसल में कीट प्रबंधन के दौरान बिना सिफारिश कीटनाशकों का न करें प्रयोग

जागरण संवाददाता, हिसार : पिछले वर्ष कपास की फसल काफी नष्ट हो गई थी। इसकी जांच की तो विज्ञानियों ने पाया कि किसानों ने कृषि विज्ञानियों की सिफारिश न लेकर कीटनाशकों का प्रयोग किया। फसल नष्ट होने की यह एक बड़ी वजह बना। इसको लेकर चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पौध प्रजनन एवं आनुवांशिकी विभाग के कपास अनुभाग द्वारा अभी ही किसानों को जागरूक किया जा रहा है। मंगलवार को वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार का मुख्य विषय वर्तमान में कपास उत्पादन में एकीकृत प्रबंधन था। वेबिनार के शुभारंभ कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने किया। उन्होंने कहा कि कपास की फसल में बेहतर उत्पादन के लिए कीट व रोगों का एकीकृत प्रबंधन जरूरी है। किसान फसल के मुख्य कीट व रोगों की पहचान करने के बाद विश्वविद्यालय द्वारा सिफारिश की गई दवाइयों का ही प्रयोग करें। फसल में कृषि वैज्ञानिकों की सलाह के बिना कीटनाशकों का छिडक़ाव नुकसानदायक हो सकता है।

कृषि विज्ञानियों की सलाह व सिफारिशों का रखें विशेष ध्यान

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के महानिदेशक डा. हरदीप सिंह ने किसानों के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कपास हरियाणा प्रदेश की एक महत्वपूर्ण नगदी फसल है। इसलिए किसानों को इस फसल में कृषि वैज्ञानिकों द्वारा समय-समय पर दी जाने वाली सलाह व कीटनाशकों को लेकर की गई सिफारिशों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने मित्र कीटों की सुरक्षा को लेकर भी सुझाव दिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	23.06.2021	04	01-04

जागरूकता — एचएयू में कपास उत्पादन को लेकर हुआ ऑनलाइन वेबिनार, प्रो. बीआर कांबोज बोले- इस बार गलती न करें

अधिक कीटनाशक के प्रयोग से खराब हो सकती है कपास

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पौध प्रजनन एवं आनुवांशिकी विभाग के कपास अनुभाग ने वेबिनार किया। वेबिनार का मुख्य विषय वर्तमान में 'कपास उत्पादन में एकीकृत प्रबंधन' था।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कहा कि गत वर्ष कपास की फसल के नष्ट होने में किसानों द्वारा बिना कृषि वैज्ञानिकों की सिफारिश के फसल पर कीटनाशकों के मिश्रणों का प्रयोग करना एक कारण सामने आया था। जिससे कपास की फसल में नमी एवं पोषण के चलते समस्या बढ़ी थी। ऐसे में इस बार किसान ध्यान रखें और कीटनाशकों का प्रयोग वैज्ञानिकों की सिफारिश के अनुसार ही करें। कपास की फसल में बेहतर उत्पादन के लिए कीट व रोगों का एकीकृत प्रबंधन जरूरी है। वेबिनार के संयोजक व आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार छाबड़ा ने कहा कि किसान कृषि वैज्ञानिकों की सलाह व सिफारिशों का विशेष ध्यान रखें।

समय-समय पर मिलने वाली सलाह का ध्यान रखें किसान : कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के महानिदेशक डॉ. हरदीप सिंह ने किसानों को सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कपास हरियाणा प्रदेश की एक महत्वपूर्ण नकदी फसल है, इसलिए किसानों को इस फसल में कृषि वैज्ञानिकों द्वारा समय-समय पर दी जाने वाली सलाह व कीटनाशकों को लेकर की गई सिफारिशों का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

इस दौरान अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत, कपास अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. ओमेन्द्र सांगवान, सस्य वैज्ञानिक डॉ. करमल मलिक, कीट वैज्ञानिक डॉ. अनिल कुमार और पौध रोग विशेषज्ञ डॉ. मनमोहन ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	23.06.2021	09	08

कपास में कीट व रोगों का एकीकृत प्रबंधन जरूरी : प्रो. काम्बोज

■ हकृवि में ऑनलाइन वेबिनार आयोजित

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पौध प्रजनन एवं आनुवांशिकी विभाग के कपास अनुभाग द्वारा एक ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार का मुख्य विषय वर्तमान में कपास उत्पादन में एकीकृत प्रबंधन था। वेबिनार के शुभारंभ अवसर पर ऑनलाइन किसानों व कृषि वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि कपास की फसल में बेहतर उत्पादन के लिए कीट व रोगों का एकीकृत प्रबंधन जरूरी है। उन्होंने कहा कि किसान फसल के मुख्य कीट व रोगों की पहचान करने के बाद विश्वविद्यालय द्वारा सिफारिश की गई दवाइयों का ही प्रयोग करें। इसके अलावा फसल में कृषि वैज्ञानिकों की सलाह के बिना कीटनाशकों का छिडकाव नुकसानदायक हो सकता है। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान करते हुए कहा कि किसान की समस्याओं का समाधान करना हमारा प्रमुख लक्ष्य होना चाहिए।